

Himachal Government Judicial Paper

क्रमत भुमे : मनीयती: अस्टाम्य: क्रिता अस्टाम्य: सतरे: हसफ:
 5,231-52/- 8,000/- 640/- सात 50 500
 रकमा:- 200*2, 50*4, 40*1=640/-
 0-6-6 पिजा

॥ तै य ना मा ॥

यह कि क्रिया क्रिये आज दिनांक:- 6 अप्रैल सन 1991
 को श्री अनोखी राम, पुत्र श्री बुधी राम, पुत्र श्री जेकर, उमर ~~42~~ 42 साल,
 साकिन मौजा आरला, परगना नाली, उप-तहसील कृष्णद, जिला सोलन
 हिमाचल प्रदेश ॥ जिसे पहले पक्ष में क्रियेता कहा गया है ॥ प्रथम पक्ष व
 श्री परमा नन्द, पुत्र श्री परस राम, निवासी मौजा कम्हान खुई, परगना
 लकड़ाग, तहसील कसौली, जिला सोलन हिमाचल प्रदेश ॥ जिसे इसके उपरान्त
 द्वितीय पक्ष क्रेता कहा गया है ॥ के नाम लिखा गया है ।

यह कि क्रियेता प्रथम पक्ष भूमि डेपट/कॉपी नं 74/81.

कारा नं 533/378, रकवा तदादी 0-12-4 पिजा वाका मौजा

पृष्ठ:- 2 :- *Prakash Singh*

पं. जमा मुं 8000/-
अह्यम मुं 640/-=80

कार्यालय उप पंजीकार

कृष्णगढ़

Sub-Registrar

Krishnagarh, District Solan (H.P.)

मार्ग 2/10/24
पंजीकार

अमेरिका राठ
यह विलेख पुत्र/पुत्री ... प्र.डी. राठ
निवासी ~~कोरवा~~ परगना ~~गोला~~ तहसील
कृष्णगढ़ ने आज दिनांक 6-4-91 के अनुसार
... को मेरे कार्यालय में पंजीकरण
... किया

Sub-Registrar

Krishnagarh, District Solan (H.P.)

Sub-Registrar
Solan

1
9
9
0

Himachal Government Judicial Paper

-: 2 :-

आरला, परगना नाली, उप-तहसील कृष्णद्व, जिला सोलन हिमाचल प्रदेश का वाहिद मालिक तथा कालिज है जैसा कि नकल जमाबन्दी लाख 1989-90 में दर्शाया गया सलगन है।

यह कि विक्रेता पृथम पक्ष ने अपनी उपरोक्त भूमि खसरा नं० 533/378 रकबा तदादी 12 विस्वा व 4 विस्वान्ती में से खसरा नम्बर 533/378/1 रकबा तदादी 0-6-6 विधा ॥ छः विस्वा व छः विस्वान्ता वाका मौजा आरला, परगना नाली, उप-तह० कृष्णद्व, जिला सोलन हि० के विक्रेता करने का सोदा जेता के साथ व जेता ने उपरोक्त रकबा को क्रय करने का सोदा विक्रेता के साथ मुख रीग 8,000/- ॥ आठ हजार रुपये ॥ केवल निस्व जिम्मे ४,000/- ॥ चार हजार रुपये ॥ होते है, में कर लिया है।

यह कि विक्रेता ने उपरोक्त कैश राशि से पहले कुछ भी कसूल नहीं लिया है। पुरी कैश राशि यानि मु० 8,000/- ॥ आठ हजार रुपये ॥ रुक सब-रजिस्ट्रार कृष्णद्व के वा कसूल सदीक रजिस्ट्री कसूल पावेगा।

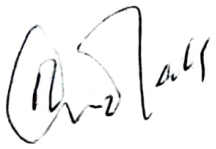
पृष्ठ-: 3 :- दिनांक 20/11/2014

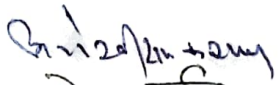
इस विलेख का शब्द - धर - अर्द्ध पैल कर्ता को निम्न लिखित आधार के समक्ष पढ़ फेंक सुनाया व समझाया गया, जिसे सुन व समझ कर उस ने इस के निष्पत्तय को सही स्वीकार किया ।


पेशकर्ता ने मु..... २० पहले ही ज्ञेता से प्राप्त करने स्वीकार किये जब कि मु..... २० (आ. ६७१.२. २००६) हमारे समक्ष कम्प्ली नोट के रूप में अदा किये जिसे विकरता से वसूल कर लेना स्वीकार किया ।

श्री. रि. लाल से मैं स्वयं परिचित हूँ जो निष्पत्तय व सुनने नवाह की भी पहचान करता है अतः विलेख प्रमाणित होवे ।


Sub-Registrar
Kishanganj, District Solan (H.P.)


१९६६-७०


१९६६-७०


१९६६-७०

-: 3 :-

यह कि विक्रेता ने अपनी उपरोक्त भूमि खतरा नम्बर 533/376/1 रकबा तदादी 6 दिस्वा व 6 दिस्वान्ती के विक्रेया करने का सोदा क्रेता के साथ मु0 8,000/- रूपये में स्वात्त्व, स्वामित्व, पथ, जल, वायु, प्रकाश, सुख, भोग अधिकार, आवपाशी, आवनोशी, चरान्द, कखान्द, वन अधिकार, आबादी का अधिकार तथा अन्य अधिकार जो भी विक्रेता की उपरोक्त भूमि के सम्बन्ध में है या होते हो पूर्ण विक्रेता रूप में हमेशा के लिए क्रेता के पक्ष में हस्तान्तरण कर दिये है। जब क्रेता उपरोक्त भूमि का वाहिद मालिक तथा कालिज है जिसको कि उपरोक्त भूमि देय करने, रहन करने, हिब्बा करने, तबादला करने, व पटटा आदि पर देने का पूर्ण अधिकार तथा क्षमता है।

यह कि विक्रेता ने मौका पर उपरोक्त रकबा का कब्जा मुताकिक त्तीमा जोकि सलगन है के क्रेता को सोप दिया है जब अगर उपरोक्त रकबा वैसुदा या किसी छुटी से क्रेता के कब्जा तथा अधिकार

पृष्ठ-: 4 :- *Munshi Ram Ksharma*

प्रमाणित किया जाता है कि विलेख सं० 38
दिनांक 6-4-91 पत्रोका हो कर नही सं०.....
के खण्ड सं० 2 के पृष्ठ सं० 6 पर
दर्ज हुआ तथा प्रति अतिरिक्त वही सं०.....
के भाग संख्या 8 के पृष्ठ सं० 6...
से 67 तक चरका दिने गये तथा ग्रन्थ
कागजात अमुपरक वही संख्या के पृष्ठ सं० 3 के पृष्ठ
पर 67 तक चरका किये गये।


Sub-Registrar

Krishanganj District Solan (H.P.)

-: 4 :-

से विकल तबे तो ऐसी अवस्था में विक्रेता क्रेता की हानि अपनी सम्पत्ति से पूरा करने को बाध्य होगा। विक्रेता यह भी विक्रयवाक्य लिखता है कि उपरोक्त भूमि हर प्रकार से सम्मत व पाक है तथा यह भी लिखा देता है कि उपरोक्त भूमि पर अब उसके किसी वारिस उत्तराधिकारी का कोई वास्ता किसी किसम का नहीं होगा।

यह कि विक्रेया विशेषमें प्रयोग किये गये शब्दों में विक्रेता तथा क्रेताके अतिरिक्त उनके जाईज वारिस उत्तराधिकारी भी सम्मिलित समझे जावेंगे।

पृष्ठ:- 5 :-

Prakash Singh

Sub-Registration
Krishnagar, District Solan (U.P.)

-: 5 :-

अतः विद्येता ने अपने तन-मन की पूर्ण स्वास्थ्य अवस्था तथा समस्त इच्छा से निम्न हस्ताक्षर करने वाले साक्षियों को मौजूदगी में हस्ताक्षर कर दिये कि प्रमाणित रहे और बिलम्बे अथवा कसूरत काम जावे। मजसूम विद्येता नामा पढ़ा कर सुनाया तथा समझाया गया जिसे सुन व समझ कर सही व दुरुस्त माना आज दिनांक 6 अप्रैल सन 1991 स्थान कृष्णपुर।

गवाह:-

1. श्री नन्द लाल इन्वार्ड
 25 फरवरी 1991
 10 कालीपत्तन
 जयपुर
2. श्री गजबदन लाल शर्मा
 25 फरवरी 1991
 10 कालीपत्तन
 जयपुर

विद्येता Anand Lal Sharma
 श्री अनोखी राम

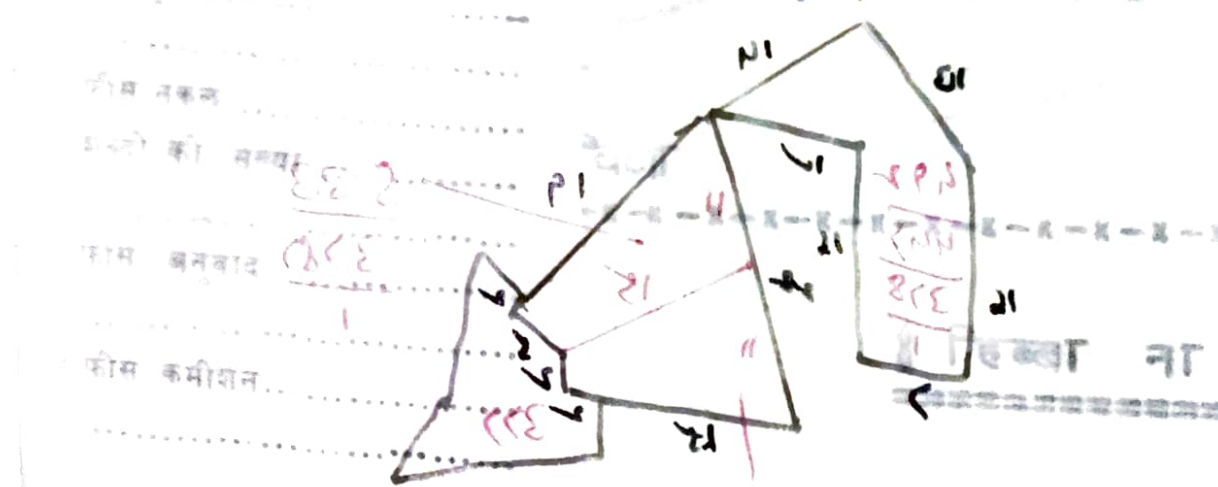
वसोका नवीस
 धरमचाम दन शर्मा
 80 कशीली बिला सोलन (दि० ४०)
 8 Mar 1991
 25 G/469

Sub-Registration
Krishanganur District Solan (H.P.)

Sub-Registration
Krishanganur

Handwritten text at the top of the page, including a signature and some illegible characters.

Handwritten text below the signature, possibly a name or title.



Handwritten notes on the left side of the diagram, including 'हिक्का नामा' and other illegible text.

8820 कि विवेक हिक्का

882 परगना देवी. कि. को

Handwritten text in purple ink, possibly a stamp or official note.

Handwritten text and numbers, including '1922' and '882'.

Handwritten text and numbers, including '1922' and '882', with some underlines.

Handwritten text and numbers, including '1922' and '882', with a signature and a date '19-0-22'.

प्रमाण पत्र

परमानन्द पुत्र परसराम निवासी काठमान्डौ

P-62

परमानन्द को छोड़कर तहसील काठमान्डौ

जिल्ला सोलुखुम्बु जिला सोलुखुम्बु जिला सोलुखुम्बु

को छोड़कर नाम को छोड़कर नाम

मन्दीरमाथी अश्वी 32-8 काठमान्डौ

14-19 को छोड़कर नाम

को छोड़कर नाम काठमान्डौ

को छोड़कर नाम काठमान्डौ

प्रमाण पत्र
परमानन्द

Sub-Registrar
Kathmandu, District Solu

कोठ
2-9/1

क्र. सं. वेपथु या व्यावसायिकी	वस्त्वप कठीकी	नाम पति या तरक मठ नाम वस्त्वप व सायाव मुधामसा	नाम मासिक व दह्याव	नाम कारककार व दह्याव	नाम पहा व वीगव वसायव व्यावसायी	वस्त्वप हाव कररा	पहवा वृत्त व विक्रम कासा मव कियम धरती	वनाव जो वरा धवा कररा हे व ५. वीच वरव व जावाव	हिस्सा या वेमावा हकीमत व तरिका वाक	वताववा व वरव मुधामसा वरव	कीचवत
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
74	81	अ. १२६१ के. २०८	अ. १०१ (१) रामु पु. ३ पु. ६१ रामु पु. ३ के. २०८ २११३७ के. २०८	पु. ६२ अ. २१०		५३३ ३७४	०-१२-५ ०१००७ २१५३		१००१ ०५००० ०१६१ ०२०८ १	२१०७ ०.६५	
									१५९ २१११६४ ३००८५ ०१२५	२११७४ ३००८५ ३३३	२११७४ ३००८५ ३३३

Sub-Registrar
Tiruhangur, District Solan (H.P.)

Handwritten signatures and dates at the bottom right of the page, including a date of 20.2.91.